नरसम्हिा राव: आर्थकि सुधारों के अग्रदूत

प्रीलम्सि के लयि

पीवी नरसम्हिा राव

मेन्स के लयि

प्रधानमंत्री के तौर पर आर्थकि सुधारों में नरसम्हिा राव की भूमकिा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में तेलंगाना सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसम्हिा राव (PV Narashima Rao) की जन्मशती के अवसर पर वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरुआत की है।

प्रमुख बदिु

- समारोह की शुरुआत करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (K Chandrasekhar Rao) ने कहा कि नरसम्हिा राव बहुमुखी व्यक्तत्वि के धनी थे और यह समारोह नरसम्हिा राव के संपूर्ण व्यक्तत्वि को उजागर करने में मदद करेगा।
- इसी के साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री ने पीवी नरसम्हिा राव के लयि भारत रत्न की भी मांग की।
- ध्यातव्य है कि नरसम्हिा राव की कांस्य प्रतमिाओं को तेलंगाना के करीमनगर, वारंगल और हैदराबाद में तथा नई दल्लिी स्थति तेलंगाना भवन में स्थापति कयि जाएगा।

पीवी नरसम्हिा राव- प्रारंभकि जीवन

- पामुलापत वेंकट नरसहि राव का जन्म 28 जून, 1921 को तत्कालीन आंध्रप्रदेश के करीमनगर ज़लि के एक गाँव में हुआ था, जो कि वर्तमान में तेलंगाना राज्य का एक क्षेत्र है।
- नरसम्हिा राव ने अपनी प्रारंभकि शक्षिा करीमनगर ज़लि के स्थानीय वद्यालय से पूरी की, जसिके पश्चात् उन्होंने हैदराबाद स्थति उस्मानयि वश्ववद्यालय (Osmania University) में दाखलि लयि और वहाँ से स्नातक की डग्रिी प्राप्त की।
- स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, नरसम्हिा राव उच्च अध्ययन की ओर अग्रसर हुए और उन्होंने हसिलोप कॉलेज (Hislop Colleg) से वधि में मास्टर डग्रिी पूरी की।
- पीवी नरसम्हिा राव को एक सक्रयि छात्र नेता के रूप में भी जाना जाता था, जहाँ उन्होंने पूर्ववर्ती आंध्रप्रदेश के वभिन्नि इलाकों में कई सत्याग्रह आंदोलनों की अगुवाई की। नरसम्हिा राव हैदराबाद में 1930 के दशक में हुए 'वंदे मातरम आंदोलन' (Vande Mataram Movement) के एक सक्रयि भागीदार भी थे।
- नरसम्हिा राव को उनके अभूतपूर्व भाषाई कौशल के लयि भी जाना जाता था, उन्हें 10 भारतीय भाषाओं के साथ-साथ 6 वदिशी भाषाओं महारत हासलि थी।

नरसम्हिा राव की राजनीतकि यात्रा

- नरसम्हिा राव ने अपने राजनीतकि जीवन की शुरुआत अपने छात्र जीवन के दौरान ही की थी, बहुभाषी के रूप में उनकी क्षमताओं ने उन्हें स्थानीय जनता के साथ जुड़ने में काफी मदद की।
- वर्ष 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के बाद, नरसम्हिा राव आधकिारकि तौर पर भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस से जुड़ गए।
- नरसम्हिा राव ने वर्ष 1962 से वर्ष 1971 के दौरान आंध्र सरकार में वभिन्नि मंत्री पदों पर कार्य कयि, इसके पश्चात् उन्होंने वर्ष 1971 से वर्ष 1973 तक तत्कालीन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की ज़म्मिेदारी संभाली।
- पीवी नरसम्हिा राव के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में कई भूमि सुधार कयि गए, वशिष रूप से मौजूदा तेलंगाना के क्षेत्र में।
- वर्ष 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद नरसम्हिा राव देश के नए प्रधानमंत्री बने और उन्होंने वर्ष 1996 तक देश के 9वें प्रधानमंत्री के रूप में

अपनी सेवाएँ दीं।
- पीवी नरसम्हिा राव का 9 दसिंबर, 2004 को हार्टअटैक के कारण नधिन हो गया।

प्रधानमंत्री के रूप में नरसम्हिा राव

- प्रधानमंत्री के तौर पर नरसम्हिा राव को मुख्य रूप से उनके द्वारा कयि गए सुधारों के रूप में पहचाना जाता है। प्रधानमंत्री के रूप में पीवी नरसम्हिा राव के सबसे महत्त्वपूर्ण नर्णियों में से एक वत्ति मंत्री के रूप में एक गैर-राजनीतकि उम्मीदवार की नयिुक्त कि माना जाता है।
- डॉ. मनमोहन सहि की वशिषज्ञता के तहत पीवी नरसम्हिा राव की सरकार ने मुख्य रूप से नम्निलखिति नर्णिय लयि:
    - सेबी अधनियिम 1992 (Securities and Exchange Board of India Act, 1992) और प्रतभिूत कानून (संशोधन) की शुरुआत हुई, जसिके माध्यम से SEBI को सभी प्रतभिूत बाज़ार मध्यस्थों को पंजीकृत और वनियिमति करने का कानूनी अधकिार प्राप्त हुआ।
    - वर्ष 1992 में पूंजी नर्गिम नयिंत्रक (Controller of Capital Issues) नकिाय को समाप्त कर दयिा गया, जो कि कंपनयिों द्वारा जारी कयि जा सकने वाले शेयरों की कीमतें और संख्या तय कयिा करता था।
    - वर्ष 1992 में ही वदिशी संस्थागत नविशकों के लयि भारत के इक्विटी बाज़ारों को खोल दयिा गया, साथ ही भारतीय कंपनयिों को ग्लोबल डपिॉज़टिरी रसिप्टि (Global Depository Receipts-GDRs) जारी करके अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों से पूंजी जुटाने की अनुमति दिना।
    - वर्ष 1994 में कंप्यूटर आधारति व्यापार प्रणाली के रूप में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (National Stock Exchange-NSE) की शुरुआत की गई। ध्यातव्य है कि NSE वर्ष 1996 तक भारत के सबसे बड़े एक्सचेंज के रूप में उभरने लगा।
    - संयुक्त उद्यमों में वदिशी पूंजी की हस्सिेदारी पर अधकितम सीमा को 40 प्रतशित से बढ़ाकर 51 प्रतशित करके प्रत्यक्ष वदिशी नविश (Foreign Direct Investment - FDI) को प्रोत्साहति कयिा गया।
    - नई आर्थकि नीति के अलावा पीवी नरसम्हिा राव ने शीत युद्ध के बाद देश की कूटनीतकि नीति (Diplomacy Policy) को एक नया आकार देने में भी एक महत्त्वपूर्ण भूमकिा अदा की थी।
    - नरसम्हिा राव के कार्यकाल में ही भारत की **'लुक ईस्ट' नीति** (Look East' Policy) की भी शुरुआत हुई, जसिके माध्यम से भारत के व्यापार की दशिा को दक्षणि पूर्व एशयिाई राष्ट्रों की ओर कयिा गया।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/telangana-cm-launches-year-long-celebrations